<u>जैसा कोई व्यक्ति अपने दिल से विचार करता उसका व्यक्तित्व उसी प्रकार ढल जाता है!</u>

सुप्रभात आज मैं कक्षा 12-A का छात्र देवांश वर्मा आपके सामने अपने विचार प्रस्तुत करने जा रहा हु और मेरा विषय है कि जैसा कोई व्यक्ति अपने दिल से विचार करता उसका व्यक्तित्व उसी प्रकार ढल जाता है !

अपने वास्तविक व्यक्तित्व का ज्ञान आदर्श व्यक्तित्व के निर्माण की प्रथम आवस्यकता है यह उसी तरह महत्वपूर्ण है जिस तरह जवाब तलासने के लिए सवाल को गहराई से समझना ! जब हम अपने व्यक्तित्व का सही ज्ञान होगा , तभी हम आपने को निखार पाऐगे ! स्वामी नित्यानंद जी ने कहा है व्यक्ति को आपने भीतर की बातो का ज्ञान अवश्य ही होना चाहिए ! मशहूर अमेरिका अभिनेता व निर्देशक माइकल डोलन हमे अपने भीतर की बातो से अगवत होने का बहुत अच्छा तरीका बताते है वह कहते है कि अगर हमे अपने आप को जानना है तो अपने जीवन मे खो जाना होगा हम क्या काम करते है कैसा बर्ताव करते है हमारी अच्छाइयाँ बुराइया हमारे व्यक्तित्व को तय करती है इन सब को पहचाने के बाद हम आपने व्यक्तित्व को बेहतर बना सकते है और विकास कर सकते है मगर यदि बदलाव हो तो अच्छा तो तभी विकास होगा ऐसा कोई नहीं जिसमे खामियां न हो पर यदि खामियां है तो खासियत भी परस्पर रूप से होगी ! जो लोग अपनी खामियां को दूर कर गुण को बढ़ा लेते है वे आदर्श व्यक्ति बन जाते है आदर्श वयक्तित्व , वास्तविक व्यक्तित्व का ही संशोधित रूप है अति आवश्यक है कि हम आपने वास्तविक व्यक्तित्व को समझे और उसे संशोधि कर आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण करे !